

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 30 अगस्त, 1982

**क्रमांक 1231-ज(I)-82/30098.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री चंद्रभान, पुत्र श्री राम करण, गांव बशीरपुर, तहसील नारनील, ज़िला महेन्द्रगढ़, को रवी, 1976 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1276-ज-(I)-82/30102.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री चंद्रहङ्ग सिंह, पुत्र श्री चेत सिंह, गांव फतहपुर, तहसील जगाधरी, ज़िला अमृताला को रवी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1228-ज(I)-82/30118.**—श्री वेगा राम, पुत्र श्री हरलाल, गांव बूढ़वाल, तहसील नारनील, ज़िला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 17 जुलाई, 1976 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री वेगा राम को मुबलिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 8930-जे०-एन०-III-66/15970, दिनांक 5 जुलाई, 1966, तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती अनारी देवी के नाम रवी, 1977, से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1303-ज-(I)-82/30301.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मोहिन्द्र सिंह, पुत्र श्री अजैव सिंह, गांव बोह, तहसील व ज़िला अमृताला को रवी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 सितम्बर, 1982

**क्रमांक 1255-ज(I)-82/31317.**—श्री जुग लाल, पुत्र श्री जोपाल, गांव छिटरीली, तहसील व ज़िला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 20 फरवरी, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री जुग लाल को मुबलिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 15725-जे०-एन०-III-66/18590, दिनांक 29 अगस्त, 1966, अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती राज कौर के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी. आर. तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,

राजस्व विभाग।